PRIVATE CIRCULATION ONLY

दिव्य ज्योति

नवम्बर 2007 ISSUE 1107 ''मैं संसार की ज्योति हूँ'' न्यूज़ लैटर

मेरा सच्चा परामर्शदाता कौन हो सकता है?

पवित्र बाइबिल के अन्दर हम अपने जीवन के सभी पहलूओं को देख सकते हैं और जीवन की हर समस्या का ईश्वर की इच्छानुसार समाधान ढूँढ़ सकते हैं। तो फिर इस प्रश्न का भी पवित्र ग्रन्थ से हमें यह उत्तर मिलता है:

"प्रत्येक परामर्शदाता अपनी सम्मति अच्छी समझता है, किन्तु कुछ लोग अपने हित में परामर्श देते हैं। परामर्शदाता से सावधान रहो और पहले पता करो कि उसका स्वार्थ किसमें है।

जो तुम से बैर रखता, उससे सलाह मत माँगो और ईर्ष्यालु व्यक्ति से अपनी योजना छिपाओ। तुम न तो स्त्री से उसकी सौत के विषय में सलाह माँगो और न कायर से युद्ध के विषय में, न व्यापारी से सौदे के विषय में, न खरीददार से बिक्री के विषय में, न विद्वेषी से कृतज्ञता के विषय में, न विधर्मी से भक्ति के विषय में, न बेईमान से इमानदारी के विषय में, न आलसी से किसी काम के विषय में, न ठेके के मजदूर से किसी काम की समाप्ति के विषय में और न आलसी नौकर से कठिन काम के विषय में। इन लोगों के किसी परामर्श पर निर्भर मत रहो, किन्तु धार्मिक व्यक्ति की संगति करो, जिसके विषय में तुम जानते हो कि वह आज्ञाओं का पालन करता है, जिसका स्वभाव तुम्हारे स्वभाव से मेल खाता है और जब तुम लड़खड़ाते हो, तो वह तुम से सहानुभूति रखेगा।

अपने अन्तःकरण पर भी ध्यान दो, क्योंकि वह तुम्हारे प्रति किसी से भी अधिक ईमानदार है। ऊँची मीनार पर बैठने वाले पहरेदारों से भी अधिक मनुष्य को अधिक जानकारी अन्तःकरण देता है। **सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि तुम सर्वोच्च प्रभु से प्रार्थना करो, जिससे वह तुम को सत्य के मार्ग पर ले चले।" (प्रवक्ता-ग्रन्थ 37:8-19)**

इस तरह हमारे सच्चे परामर्श दाता एवं मित्र हमारे प्रभु हैं जो पवित्र आत्मा द्वारा, पवित्र वचन तथा दर्शन द्वारा सत्य का, पाप और पुण्य का और धार्मिकता का ज्ञान कराते हैं।

पवित्र जपमाला की भक्ति द्वारा हमें मिले आशीष-संरक्षण, आनन्द, शान्ति...

अक्टूबर का महीना जपमाला की रानी माँ मरियम को समर्पित है। मुख्य पर्व अक्टूबर 7 को मनाया जाता है जहाँ कलीसिया इस विश्वास का बखान करती है कि माँ मरियम कलीसिया की माँ और संरक्षिका है। पहले इस दिन को माँ मरियम- विजयी की रानी के रूप में मनाया जाता था।

पवित्र माला का जपना माँ की ममता, आश्रय व मध्यस्थता का अनुभव दिलाती है। पवित्र माला एक तरफ एक गूढ़ एवं अर्थपूर्ण प्रार्थना का रुप है और दूसरी तरफ एक सरल व व्यवहार में लाने योग्य सुन्दर प्रार्थना है जिसमें हमारे मुक्ति इतिहास का सारांश छिपा है। इसके रहस्यों पर मनन करना ख्रीस्तीय जीवन के काल चक्र के रहस्यों का मनन करना है – मानव अवतार लेने से मानवजाति का उद्धार, उद्धार ख्रीस्त की शिक्षा, वचन, आज्ञा, दुःखभोग, म त्यु और पुनरुत्थान द्वारा, वही येशु ख्रीस्त के द्वारा जो पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भ में आये और माँ मरियम से जन्मे। जपमाला (रोज़री) हमारे जीवन का सार स्वरुप है – जिसमें खुशियाँ और गम, आशाँए और उत्कण्ठाँए, सफलताँए एवं विफलताँए, सम्मान और अपमान, अत्याचार और महिमा इत्यादि के भाव उभरते हैं।

रोज़री या पवित्र जपमाला एक सरल प्रार्थना है जिसे कोई भी, कभी भी, कहीं भी कर सकता है। पर इसमें एक व्यक्ति पूर्ण रुप से खुद को शामिल कर लेता है–उँगलियाँ माला के मोतियों पर दौड़ती है, होंठों से प्रार्थनाँए निकलती हैं, दिमाग प्रत्येक भेद पर मनन करता है तथा ह्रदय उस रहस्य के द्वारा मिलने वाले संदेश का प्रत्युत्तर देता है। जपमाला आव त्तियों से युक्त है, जो प्रेम की भाषा का एक महत्त्वपूर्ण तत्व है। **"प्रणाम मरिया"**, **"हे पिता हमारे"**, **"पवित्र त्रित्व की स्तुति"**, **"प्रेरितों का धर्मसार"**, **"येशु से विनती"** इत्यादि प्रार्थनाओं से गूँथी यह माला भक्तिभाव से करने पर ऊपर स्वर्ग तक माँ मरियम के हाथों में पहुँच जाती है जो हमारे निवेदनों को प्रभु येशु तक पहुँचा देती है।

पोप जॉन तेईसवें ने कहा था, "यह पवित्र जप माला सभी पुरोहितों व धर्मभाई–बहनों के दैनिक प्रार्थना का अंश बन जाये। उसी तरह प्रत्येक ख्रीस्तीय परिवार को पवित्र जपमाला को अपने जीवन का अभिन्न साथी बना लेना चाहिए।" यह प्रार्थना शान्ति, आश्वासन, धैर्य, सहनशक्ति, पवित्रता, विनम्रता, आज्ञाकारिता, प्रेम, आशा, विश्वास, इत्यादि गुणों को जाग त करता है। यह बात आजमाई हुई है कि कैसे पवित्र माला प्रतिदिन करने से आप को प्रलोभनों पर, बुराई पर विजय प्राप्त होती है क्योंकि आपकी **आध्यात्मिक शक्ति** जपमाला करने से बढ़ जाती है तथा आपको पवित्र माँ मरियम की मध्यस्थता व उनकी छत्रछाया का संरक्षण प्राप्त हो जाता है। शैतान को पैरों तले कुचलने वाली माँ को लाखों बार धन्यवाद जो हमें शैतान के हर षड़यंत्र व जाल से छुडा लेती है और हम बच्चों को स्वर्ग की ओर ऊपर उठाने के लिए अपना हाथ बढ़ाती है। शेष भाग प ष्ठ 2 पर

कितने महान् हैं उसके चिन्ह; कितने अपार हैं उसके चमत्कार! उसकी प्रभुसत्ता चिरन्तन है और उसका राज्य युगानुयुग रहेगा।(दानिएल 3:100)

पृष्ठ 1 का शेष भाग *हम जपमाला में चार प्रकार के भेदों का, **1) आनन्द के भेद, 2) प्रकाश के भेद, 3) दुःख के भेद** और **4) महिमा के भेद,** मनन कर हम प्रभु येशु के जीवन के हर पहलू पर ध्यान लगाते हैं और उसे अपना आदर्श मानते हैं। इस पवित्र जपमाला की रानी के पर्व के महीने में हर रोज़ जीवन–धाम सैक्टर–22 फरीदाबाद में प्रतिवर्ष सांय 6 बजे विशेष जपमाला की जाती है, जो प्रतिदिन अलग–अलग उद्देश्यों व लोगों के लिए समर्पित है (जिसे स्वंय प्रभु दर्शन द्वारा समझाते हैं), उसके अनुरुप पवित्र बाईबिल से वचन भी प्रभु हमें बताते हैं, तथा विभिन्न संदेश व चंगाईयाँ भी प्राप्त होती हैं जिनमें प्रमुख हैः सिर, पैर, घुटने, हाथ, पेट, पीठ व कमर में दर्द। इस महीने हुई पवित्र जपमाला के प्रतिदिन समर्पित उद्देश्यों, वचनों तथा मुख्य संदेशों व दर्शनों का यहाँ निम्नलिखित सूचि में उल्लेख किया गया है।*

तारीख, दिन	माला समर्पण का उद्देश्य	वचन	दर्शन, प्रमुख संदेश व आशीष
1, सोमवार	अनाथों, विधवाओं, निस्सहायों, बेघरों, गरीबों के लिए जों सड़कों, झुग्गी–झोपड़ियों में रहते हैं, जिनकी आवश्यकताँए पूरी नहीं होतीं।	1 तिमथी 5:17-23	प्रभु येशु माला विनती कर रहे, न्याय का तराजू गरीबों के आगे, स्वर्ग से जीवन–धाम में प्रकाश की किरणें आ रही हैं, प्रभु येशु प्लेट में से सभी को फूल बाँट रहे हैं।
2, मंगलवार	उनके लिए जो अंधकार में हैं, शैतान के चंगुल में हैं और सच्चे ईश्वर से, सत्य से अनभिज्ञ हैं।	उपदेशक 9:13-18	अन्धकार में पड़े लोगों को देखकर प्रभु और माँ मरियम दुःखी हैं, रोज़ बाईबिल पढ़ो, आशीष–बच्चों को।
3, बुधवार	जो भ्रूण हत्या जैसा घोर पाप करते, करवाते या समर्थन देते हैं, व सभी अस्पतालों के लिए।	मत्ती 7:13-14	म त शिशुओं की आत्माँए न्याय के लिए पुकार रहीं, इस पाप के कारण माँ खून के आँसू बहा रही, इस पाप के कारण अनेक घरों में अशान्ति, सफेद क्रूस, आग,बाईबिल।
4, वीरवार	सभी मूर्तिपूजकों के लिए, जो अन्धकार व निराशा में हैं और अपने जीवन में सच्ची शान्ति से वंचित हैं।	मारकुस 12:28-34	"चिन्ता मत करो, मनुष्य पर नहीं, पर ईश्वर पर भरोसा रखो", आशीष एक बच्चे को, बाईबिल पढ़ो, प्रभु झूल रहे।
5, शुक्रवार	सागर किनारे काम करने वाले व रहने वाले मछुआरों के लिए, उनके लिए जो मेहनत करके खाद्य नमक बनाते हैं।	लूकस 9:43-45	नमक बनाने वाले लोगों के सूखे हाथ–पैर, बाईबिल पढ़ो जागते रहो, प्रभु क्रूस पर, शान्ति दे रहे, आशीष–जिनका पैर सूजा हुआ है, जिन्हें उदर सम्बन्धी शिकायत है।
6, शनिवार	सभी नवयुवकों व युवतियों के लिए कि वह पवित्रता व आज्ञाकारिता, प्रार्थना व ईश वचन में आगे बढ़ें, तथा दूसरों के लिए आदर्श बनें।	1 कुरिन्थि. 3:18-23	नये घर का दान, येशु साथ प्रार्थना कर रहे, आशीष– एक विश्वासी बच्चे को, एक बेटे को धूम्रपान से मुक्ति, अनेक युवक–युवतियाँ ईश्वर से दूर पापमय जीवन बिता रहे हैं।
7, रविवार	कलीसिया की एकता के लिए, कि सभी सच्चा प्रेम करें, वे विश्वास, आशा, आनन्द के स्त्रोत बनें।	गलातियों 1:6-10	जागते रहो, एक बच्चे को प्रभु आशीष दे रहे, स्वर्गदूत भजन के समय पर ढ़ोल बजा रहे और स्तुति कर रहे।
8, सोमवार	जो बहुत बीमार हैं, बिस्तर पर हैं, संक्रामक रोगों से पीड़ित हैं और जो बेहोशी की हालत में हैं।	स्तोत्र 71	येशु पर विश्वास करो, एक केस सुलझा रहे, आशीष– कार्तिक को, एक बिस्तर पर पड़े और बीमार व्यक्ति को।
9, मंगलवार	कलीसिया के सभी चुने हुए धर्मी व्यक्तियों, धर्म–प्रचारकों व अभिषिक्तों के लिए।	रोमियों 2:6-11	येशु कहते हैं मुझपर विश्वास करो, रोज़ बाईबिल पढ़ो, आशीष– एक बच्चे को, सफेद क्रूस, शान्ति मिल।
10, बुधवार	अन्धे, बहरे, गूँगे, सभी विकलाँग, पोलियो–ग्रसित और लाचार लोगों के लिए।	तीतुस 2:11-15	अनेक मानसिक रोगियों को प्रभु ने चंगाई दी, प्रभु किसी को फूल दे रहे, आग, स्वर्गदूत नाच रहे, आशीष।
11, वीरवार	नशीली पदार्थो का सेवन करने वालों के लिए, ऐसी वस्तुओं का उत्पादन/वितरण करने वालों के लिए।	1 कुरिन्थि. 6:9-11	हज़ारों को प्रभु ने नशीली पदार्थों के सेवन से मुक्ति दी है, शान्ति दी, आशीष-बच्चे को, कल्लू को, आकाश में चिन्ह।
12, शुक्रवार	जो पवित्र संस्कार को पवित्रता से तैयारी के साथ नहीं लेते, मिस्सा बलिदान के महत्व को नहीं जानते।	1 कुरिन्थि. 11:23-34	प्रभु येशु यहाँ मिस्सा चढ़ा रहे, वेदी पर अग्नि स्वर्ग से गिर रही, जो मिस्सा में भाग नहीं लेते उनके लिए प्रार्थना करो।
13, शनिवार	कैन्सर, एड्स, टी.बी. और अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए।	याकूब 5:13-18	अनेक रोगी महीनों से अस्पताल में पड़े, चिन्ता न करो, आशीष-बच्चे को, बीमार व्यक्ति को, दुर्घटना से बचा रहे।
14, रविवार	व द्ध माता–पिताओं के लिए विशेषकर जो बीमार, निस्सहाय व अकेले हैं, निष्कासित हैं।	स्तोत्र 54	प्रभु अनेक व द्ध माता–पिताओं को जीवन–धाम लेकर आये हैं, नये घर का दान, बाइबिल के ऊपर कबूतर।
15, सोमवार	सभी चर्मरोगियों के लिए विशेषकर कुष्ट रोगी, सफेद दाग से पीड़ित, एक्ज़ीमा से पीड़ित लोगों के लिए।	मत्ती 8:1-4	चंगाई–एक कोढ़ी को, कैन्सर से पीड़ित व्यक्ति को, सफेद दाग वालों को चंगाई दे चुके, माँगो तो मिलेगा, कबूतर।
16, मंगलवार	सभी तंत्र–मंत्र करने वाले, ओझों, भूत–प्रेत साधने वालों के लिए जो स्वंय तो भटक गये हैं और दूसरों को भी भटकाते हैं।	लेवी 20:6-8	प्रार्थना में सन्त जोसेफ और सन्त मिखाएल का मध्यस्थ लें, एक व्यक्ति म त प्रियजन की फोटो पर माला चढ़ा रहा और उनकी पूजा कर रहा, अन्धविश्वास बढ़ रहा, द ढ़ बनो।
17, बुधवार	सभी म तक आत्माओं की पापमुक्ति के लिए जो अधोलोक में हैं, जिन्हें प्रार्थनाओं की ज़रूरत है।	रोमियों 2:5-16	शान्ति मिले, चिन्ता न करो, स्वर्गदूत नीचे की ओर देख रहे, बाईबिल पढ़ो, म त शवों का ढ़ेर लगा, गले को आशीष।
18, वीरवार	सभी निस्सन्तान दम्पत्तियों के लिए जो जीवन–धाम में विश्वास के साथ एक बच्चे का वरदान माँगते हैं।	स्तोत्र 127	दो परिवारों को बच्चे का दान, दुर्घटना से बचाव, आशीष– प्रीति को, पत्थरी से पीड़ित को, प्रभु फूल दे रहे।
19, शुक्रवार	विश्वासियों के लिए जो सच्चा विश्वास खो बैठे हैं और जो ईश्वर के वचन का पालन नहीं करते।	1 तिमथी 4:1-7	अनेक लोगों ने विश्वास खो दिया, अनेकों को आने से रोका गया, मास्तिष्क के रोग से मुक्ति, प थ्वी पर बड़ा क्रूस।

20, शनिवार	दलितों, पिछड़े वर्ग के व शोषित वर्ग के लोगों के लिए, अशिक्षितों के लिए।	लूकस 4:16-21	छोटे–छोटे घरों में प्रकाश, आगे बढ़ो, साँस की बीमारी, हज़ारों गरीबों को जीवन–धाम द्वारा आशीष मिली।
21, रविवार	जीवन-धाम के परिवार के लिए, सभी सदस्यों व उनके परिवारों को ईश्वरीय संरक्षण व आशीष प्राप्त हो।	मारकुस 16:14-18	प्रभु रोटी बाँट रहे, जीवन–धाम को आशीष, जीवन–धाम हरा–भरा फूलों से लदा पेड़, छोटे घरों में प्रकाश, भीड़।
22, सोमवार	संसार की शान्ति के लिए, सभी राजनैतिक नेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के लिए, भारत सरकार के लिए।	स्तोत्र 105:1-15	प्रभु पर विश्वास करने वालों को संरक्षण, विमान दुर्घटना से बचाव, हरा–भरा पेड, शान्ति, बढ़ते पाप ईश्वर का कोप बुला रहे।
23, मंगलवार	सभी कैदियों की मुक्ति व मन-परिवर्तन के लिए, पाप की दासता से मुक्ति के लिए, उन्हें आशीष मिले।	इसायाह 61:1-6	अनेक स्वर्गदूत प्रार्थना कर रहे, हज़ारों निर्दोष कैदियों के लिए प्रार्थना करें, आशीष– लक्ष्मी को, अनेक कैदियों को, आग।
24, बुधवार	सभी बिखरे व टूटे परिवारों के लिए, अलग–अलग रहने वाले दम्पत्तियों के बीच समझौते के लिए।	मत्ती 19:2-12	अनेक परिवारों को शान्ति दी, बाईबिल का अनुकरण करो, प्रभु ने अनेक परिवारों का मेल–मिलाप करवाया, स्वर्गदूत कुछ लिख रहा।
25, वीरवार	जो किसी कारणवश कलीसिया से अलग हो गये हैं, वे एक होकर ईश्वर की महिमा के लिए काम करें।	इब्रानियों 6:13-20	अनेकों की प्रार्थना में बाधाँए दूर हुई, सन्त जोसेफ, आशीष–पराग को, बुजुर्ग बीमार महिला को, माँ मरियम।
26, शुक्रवार	सभी वाहनचालकों के लिए, और जो दुर्घटना के शिकार हुए हैं, निस्सहाय परिस्थिति में हैं, घायल हैं, अस्पताल में भर्ती हैं।	योब 7:1-10	एक बच्चे को गिरने से बचा रहे, अनेकों को दुर्घटना से प्रभु ने बचाया, आशीष, कहीं जाने से पहले प्रार्थना करेंगे तो प्रभु सँभालेंगे, विश्वास करो, जागते रहो, शान्ति, सफेद क्रूस।
27, शनिवार	जो माँ मरियम के विरूद्ध बोलते हैं, उनपर श्रद्धा नहीं रखते, उन्हें नहीं जानते, पवित्र जपमाला नहीं करते।	योहन 19:25-27	माँ मरियम हाथ पसारे बच्चों को पास बुला रही, शान्ति, करूणामय येशु, बच्चों को आशीष, क्रूस, प्रकाश से बना फूल।
28, रविवार	सभी बेरोज़गारों के लिए, तथा सभी बन्द दुकानों, कारखानों व संस्थाओं के खुलने के लिए।	1तिमथी 4:6-10	प्रभु परम पसाद दे रहे, आशीष– पैट्रिक को, स्वर्गदूत नाच रहे, कबूतर उड़ रहे, माँ मरियम, प्रभु मिस्सा चढ़ा रहे।
29, सोमवार	सभी प्रार्थनालयों, साधना केन्द्रों, धार्मिक संस्थाओं के लिए, सभी सच्चे ईश्वर की आत्मा में आराधना करें।	सूक्ति 8:1-14	आत्मा और सत्य में बहुत ही कम जगहों पर आराधना, जागते रहो, माँ खून के आँसू बहा रही, आशीष- बीमार बच्चे को।
30, मंगलवार	सभी किसानों के लिए, बाढ, अकाल, भूकम्प, तूफान इत्यादि से पीडित लोगों व नष्ट हुई फसल के लिए।	स्तोत्र 65	आशीष– घर पर बीमार बच्चे को, बेघरों को, करूणामय येशु, प्रभु माला बाँट रहे, माँ बच्चों के साथ, सफेद छतरी।
31, बुधवार	जीवन–धाम में आने वालों के विश्वास में व द्वि व द ढ़ीकरण के लिए, कि वे वचन सुनकर उनका पालन करने में सक्षम हों, वे सभी पापों से मुक्त हों।	योहन 6:60-71	जीवन-धाम में बहुत भीड़, जो प्रकाश में हैं; वे बड़े पहाड़ पर चढ़ रहे हैं; शान्ति, स्वर्गदूत नाच रहे, "विश्वास में द ढ़ रहो, जागते रहो, आगे बढ़ो, अपना क्रूस उठा कर मेरे पीछे चलो," छतरी।

जीवित परमेश्वर के अद्भुत साक्ष्य- जीवन-धाम से

शादी के कई वर्षों बाद इन निस्सन्तान दम्पत्तियों को सन्तान का दान मिला

प्रभु येशु की स्तुति, धन्यवाद और महिमा। मैं, बेबी(उम्र-35 वर्ष), (ऊपर चित्र में बाईं ओर)जीवन–धाम में 6 महीने लगातार हर इतवार आ चुकी हूँ और उसके बाद आज गवाही देने आई हूँ। मेरे यहाँ आने का कारण था मेरा सूना परिवार। शादी के 12 वर्षों बाद भी मुझे संतान का लाभ न हुआ। 10 वर्षों तक मैंने इलाज करवाया। पर कोई भी इलाज सफल न हुआ। न ही मुझे गर्भ ठहरा। इलाज पर हम, मैं और मेरे पति सन्त प्रसाद, ने कुल मिलाकर 80 हज़ार रुपये से भी अधिक लगा दिये। दिल्ली में कई अस्पतालों में इलाज चलाकर आखिर हम निराश हो चुके थे।

*फिर मेरी पड़ोसन ने **जीवन-धाम** में चल रही रोग चंगाई प्रार्थना सभा के विषय में बताया। उसने कहा कि मैं क्यों अपने पैसे बर्बाद कर रही हूँ, जब कि जीवन–धाम में बिना कोई खर्चे के ही मेरी इच्छा पूरी हो जायेगी। इतवार को प्रार्थना में शामिल होने पर मैंने प्रभु के दिव्य वचनों को सुना, अनेक गवाहियाँ सुनीं व चमत्कार देखे जिससे मेरा विश्वास सुद ढ़ हो गया। अद्भुत की बात यह है कि अगले दस दिन में ही मैं गर्भवती हो गई। मैं लगातार छः महीने तक यहाँ आती रही। उसके बाद मझे गाँव जाना पड़ा और कुछ हफ्तों में मेरी बेटी शालू ने जन्म लिया। अब वह पाँच साल की है। प्रभु येशु की क पा से हमारे सूने परिवार में एक सुन्दर लडकी का आगमन हुआ। इस महान् क पा के लिए प्रभु को लाखों बार धन्यवाद।*

बेबी-सन्त प्रसाद, दिल्ली

मैं, बेबी(उम्र-35 वर्ष), (ऊपर चित्र में दाईं ओर) जीवन–धाम में पहली बार गवाही देने आई हूँ। मेरी शादी शिवनाथ से 10 साल पहले हुई थी। पर मुझे 5 सालों तक सन्तान की प्राप्ति नहीं हो पाई। मैंने काफी इलाज करवाया। पर कोई भी इलाज सफल न हुआ और मुझे सब जगह निराशा ही हाथ लगी।

*फिर मेरी नन्द मुन्नी देवी ने मुझे **जीवन-धाम** में चल रही प्रार्थना व यहाँ होने वाले चमत्कारों के विषय में बताया और मुझे प्रभु येशु से विश्वास के साथ प्रार्थना करने को कहा। उसने मुझे प्रभु येशु और माँ मरियम का लॉकेट व बड़ा फोटो और 'नया जीवन' नामक प्रार्थना की किताब पढ़ने को दी। मैं तब से प्रभु येशु से प्रार्थना करने लगी। मेरी नन्द को शादी के चार साल बाद यहीं पर आकर बच्चा मिला था। और कुछ ही महीने बाद मुझे भी प्रभु येशु की कृपा से एक लड़का (दीपक) मिला। दीपक अब पाँच साल का है।*

"प्रज्ञा सूर्य से भी रमणीय है, सभी नक्षत्रों से श्रेष्ठ है और प्रकाश से भी बढ़कर है; क्योंकि प्रकाश रात्रि के सामने दूर हो जाता है, किन्तु प्रज्ञा पर दुष्टता का वश नहीं चलता।" (प्रज्ञा 7:29-30)

पर मैं यहाँ प्रार्थना में शामिल न हो सकी। मैंने फिर प्रभु से वादा किया कि जब मुझे एक लड़की भी हो जायेगी, तो मैं गवाही देने खुद जाँऊगी। प्रभु ने मेरी यह प्रार्थना भी सुन ली और पिछले साल मेरे परिवार में एक सुन्दर लडकी (ज्योति) ने जन्म लिया। इन सभी कृपाओं के लिए मैं प्रभु को बारम्बार धन्यवाद देती हूँ। आल्लेलूया!! **बेबी-शिवनाथ,** *अलीगढ़*

"प्रभु येशु ही संसार की ज्योति हैं!" उनकी कृपा व शक्ति से ही मेरी बेटी की आँख की रोशनी वापिस मिली!

येशु की स्तुति हो ! येशु को धन्यवाद!

मैं, रोहित पासवान (उम्र 23 वर्ष), आज जीवन–धाम में पिछले 9 इतवार से लगातार आ रहा हूँ। मेरे यहाँ आने का कारण है मेरी बेटी खुश्बू की जाती हुई आँखों की रोशनी। 6 महीने पहले मैंने यह देखा कि उसकी बाई आँख की पुतली सफेद हो रही है, तो मैं उसे फौरन डॉक्टर के पास ले गया। AIIMS के डॉक्टर ने जाँच करने के बाद यह बताया कि उसकी आँखों की नसें पीछे से सूख चुकी हैं और वह जिन्दगी भर फिर देख नहीं सकेगी। न तो इसका दवा से कोई इलाज हो सकता है और न ही कोई ऑपरेशन करने से फायदा होगा। उसकी आँख अन्दर को चली जायेगी और बाद में शायद दूसरी आँख के साथ भी ऐसा हो सकता है। मैं बहुत दुःखी व निराश हो गया था क्योंकि मेरी बेटी अपनी एक आँख बिल्कुल ही खो चुकी थी।

फिर मेरे एक साथी ने मुझे उसे जीवन–धाम लेकर जाने को कहा। मैं यहाँ **"जीवन-धाम"** में हर इतवार आने लगा। प्रभु के वचन की शक्ति से खुश्बू को दूसरे हफ्ते से ही थोड़ा–थोड़ा दिखने लगा। मै रोज़ प्रार्थना करता रहा व प्रभु के भजन कैसेट में बजा कर सुनता रहा। चमत्कार यह हुआ कि अब उसके आँख की पुतली, जो पहले सफेद थी, अब पूरी तरह काली हो गई है और वह अब सब कुछ साफ–साफ देख सकती है। प्रभु को लाखों-लाखों बार स्तुति और धन्यवाद।

रोहित-खुश्बू, *दिल्ली*

प्रभु येशु ने कहा, "जो मेरा अनुसरण करता है, वह अंधकार में भटकता नहीं रहेगा। उसे जीवन की ज्योति प्राप्त होगी।" (योहन 8:12)

मिस्सा बलिदान का समय:

मकान न०.696/सैक्टर-22 फरीदाबाद में

हर इतवार - शाम 6:30 बजे

प्रतिदिन - प्रातः 10:30 बजे मिस्सा बलिदान चढ़ाया जाता है। यहाँ पर 24 घण्टे आराधना होती है। आप भी हमारे साथ प्रार्थना में शामिल हो सकते हैं।

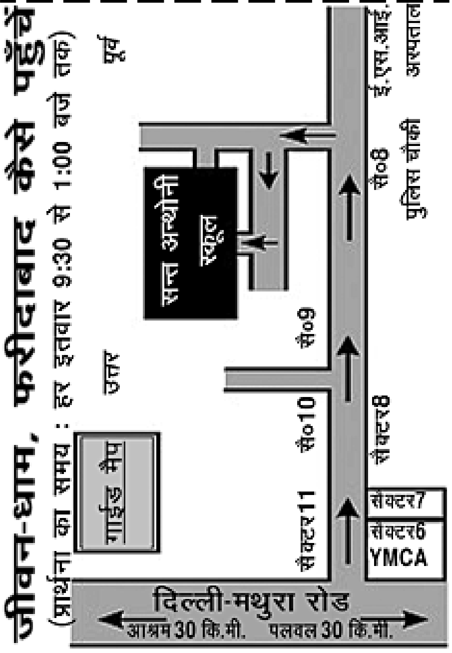

★ बाईबिल प्रतियोगिता ★

8) प्रेरित - चरित
d) अध्याय 10-12

प्ररित–चरित के ग्रन्थ के अध्याय **10** से **12** तक से लिये गये प्रस्तुत वाक्यों में रिक्त स्थान भरें, उनकी वाक्यांश संख्या अध्याय सहित बतायें तथा उत्तर में यह भी लिखें कि ये वाक्य किसने कहे?

1) _____ बाँधिए और _____ पहन लीजिए।

2) _____ गैर-यहूदियों के ___ में _____ किया और उनके साथ _____ किया।

3) _____! दो _____ तुम को _____ रहे हैं।

4) आपकी _______ और आपके ________ ऊपर चढ़कर _____ के सामने पहुँचे और उसने आप को _____ किया।

5) _____ और _____ को इन बातों की _____ दोगे।

6) _____ ने जिसे _____ घोषित किया, ____ उसे ______ मत कहो।

7) यह _____ ही नहीं, किसी ______ की ______ है।

8) इन _____ को _____ ही समान पवित्र ______ का ______ मिला है, तो क्या _____ इन्हें _______ का _____ देने से इन्कार कर सकता है?

पिछली प्रतियोगिता के सही उत्तर

8) प्रेरित - चरित
c) अध्याय 7-9

1) स्वर्ग, ईश्वर, दाहिने, पुत्र।(7:56) स्तेफनुस ने कहा

2) प्रभु, कौन।(9:5) साऊल ने कहा

3) तुम पित, कड़वाहट, अधर्म, बेड़ियों।(8:23) पेत्रुस ने कहा

4) कुलपतियों, यूसुफ, मिस्र, ईश्वर।(7:9) स्तेफनुस ने कहा

5) आप, पढ़, समझते।(8:30) फिलिप ने कहा

6) तबिथा। (9:40) पेत्रुस ने कहा

7) पूर्वजों, नबी, अत्याचार।(7:52) स्तेफनुस ने कहा

8) ऐनेयस, मसीह, स्वस्थ।(9:34) पेत्रुस ने कहा

प्रतियोगिता के नियम

क) प्रतियोगिता के उत्तर अगले महीने के 20 तारीख तक हमारे पास पहुँच जाने चाहिएँ। उत्तर एक पोस्ट कार्ड या चिट्ठी में इस पते पर लिख भेजिए – **जीवन-धाम, मकान नं० 696, सैक्टर-22, फरीदाबाद-121005, हरियाणा।**

ख) अपना नाम व पता स्पष्ट शब्दों में लिखिए। प्रतियोगिता की संख्या एवं शीर्षक लिखना ज़रुरी है। सभी उत्तर(प्रश्न संख्या सति) क्रमानुसार होने चाहिएँ।

ग) इनाम सिर्फ उन प्रतियोगियों को मिलेगा जो लगातार तीन प्रतियोगिताओं के सही–सही उत्तर समय पर देंगे।

घ) प्रतियोगिता के सही उत्तर अगले माह के प्रकाशन में बताये जायेंगे।

ङ) सहीं उत्तरों से मिलाने के लिए अपने उत्तरों की एक प्रति अपने पास भी रखें।

Visit our website:
www.jeevandham.org
E-mail : justcallanthony@yahoo.com

क्या आप चिन्तित...........हैं ?
क्या आप दु:खी...........हैं ?
क्या आप रोगी...........हैं ?
क्या आप के मन में अशान्ति...........है ?

आपको सान्त्वना देने के लिए एक जगह है। वह है 'जीवन-धाम'। आप सन्त अन्थोनी स्कूल, सैक्टर-9 फरीदाबाद में हर रविवार प्रातः 9:30 बजे से 1:00 बजे तक 'जीवन-धाम' फरीदाबाद द्वारा आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेकर प्रभु येशु के अनुग्रहों को प्राप्त कर सकते हैं।

धर्मग्रन्थ में लिखा है - प्रभु यह कहता है, अपनी अमरता की सौगन्ध! हर घुटना मेरे सामने झुकेगा और हर कण्ठ ईश्वर को स्वीकार करेगा। इस से स्पष्ट है कि हम में से हर एक को अपने-अपने कर्मों का लेखा ईश्वर को देना पड़ेगा।(रोमियों 14:11-12)

Edited & Published by Anthony, JEEVAN DHAM, 696/Sec-22, Faridabad. Printed at Sabina Printing Press, 387/24, Faridabad, Haryana.